



सब का सपना

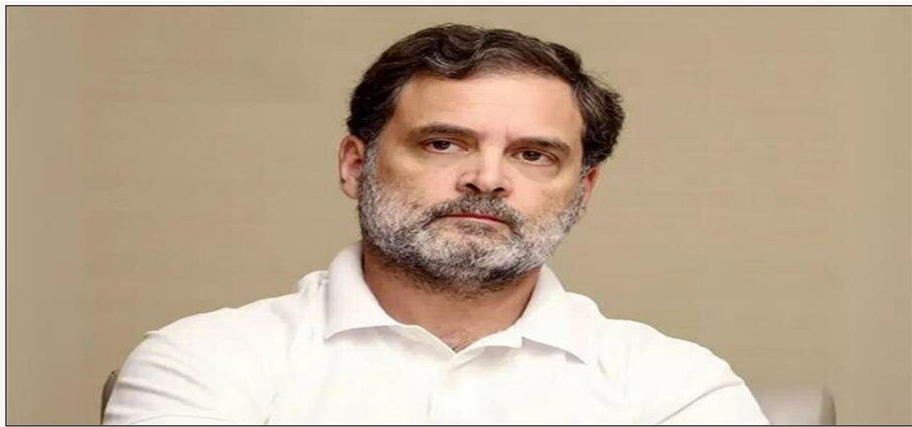


जब तक अमित शाह जवाब नहीं देते, विरोध जारी रहेगा: पवन खेड़ा का बड़ा बयान

नई दिल्ली एजेंसी: 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के दौरान छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्ष ने अपना विरोध तेज कर दिया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा कि जब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस कार्रवाई पर सवालों का जवाब नहीं देते, तब तक संसद में यह मुद्दा उठाया जाता रहेगा। साथ ही, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का स्वागत किया कि सिर्फ आंदोलन होने से पुलिस की ज्यादाती को सही नहीं ठहराया जा सकता। पत्रकारों से बात करते हुए खेड़ा ने कहा कि जब तक केंद्रीय गृह मंत्री जवाब नहीं देते, हम अपनी मांग (20 जुलाई को छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के लिए जवाबदेही) उठाते रहेंगे... हम सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने यह बात कही। महिलाओं के साथ जिस तरह का दुर्व्यवहार हुआ

राहुल गांधी का 'एके-47' वाला दावा झूठा, झूठी बातें और गलत जानकारी फैलाने के लिए मांगें माफी: भाजपा

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ एके-47 राइफलों का इस्तेमाल किया गया। भाजपा ने मांग की है कि राहुल गांधी "झूठी बातें और गलत जानकारी" फैलाने के लिए माफी मांगें। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने गांधी के बयान को "न केवल बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, बल्कि एक पाप" करार दिया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि खबरों से पता चलता है कि बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ एके-47 राइफलों का इस्तेमाल किया गया और सैकड़ों



लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने छात्रों पर कथित हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लोकसभा सदस्य संबित पात्रा ने कहा कि यह "बहुत शर्म की बात" है कि विपक्ष

के नेता ने "इतना गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार" दिखाया है। पात्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, "उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया और छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा एके-47 के इस्तेमाल की बात कही, लेकिन यह अत्यंत निंदनीय है कि

भारत में विपक्ष के नेता के पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा ऐसी गलत बातें फैलाई जा रही हैं।" गांधी से माफी की मांग करते हुए पात्रा ने कहा, "वह झूठी बातें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। एके-47 -- मैं राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल किए गए इस

राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह अराजकता.....

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि बिहार में....

शब्द पर जोर दे रहा हूं। क्या इस देश में पुलिस कभी प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के लिए एके-47 का इस्तेमाल करती है? क्या ऐसा कभी हुआ है?" उन्होंने कहा, "राहुल गांधी कैसे कह सकते हैं कि एके-47 का इस्तेमाल किया गया है? यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है, और हमारा दृढ़ विश्वास है कि राहुल गांधी को ऐसी झूठी बातें और गलत जानकारी फैलाने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।" केंद्रीय मंत्रियों जे पी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ बातचीत के बाद कॉकरोच जनता

पार्टी (काँजपा) द्वारा उनका विरोध प्रदर्शन वापस लिए जाने का जिक्र करते हुए, पात्रा ने आरोप लगाया कि गांधी अब देश में घबराहट और अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आप सभी ने देखा कि कैसे काँजपा ने खुद विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। जे पी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ बातचीत हुई, जिसके बाद घोषणा की गई कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया है।" पात्रा ने कहा, "इस तरह का प्रचार करके और गलत जानकारी

फैलाकर, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पूरे देश में घबराहट, अव्यवस्था और अराजकता का माहौल बनाना चाहते हैं। यह बेहद आपत्तिजनक है।" पात्रा ने लोगों से अपील की कि वे गांधी के बयान को गंभीरता से न लें और इसके बजाय "सच सामने लाएं ताकि देश में अराजकता न फैले"। उन्होंने कहा, "मैं राहुल गांधी से यह भी कहूंगा कि उन्हें जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष की तरह व्यवहार करना चाहिए और ऐसे गुराह करने वाले दावे फैलाने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।" पात्रा ने आरोप

किरेन रिजिजू का ऐलान: विपक्ष चर्चा करे या न करे, लोकसभा में पास होगा सार्वजनिक परीक्षा विधेयक

नई दिल्ली एजेंसी: संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को पारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी, भले ही विपक्ष चर्चा में शामिल न हो। यह बयान लोकसभा में इस कानून पर होने वाली आठ घंटे की निर्धारित बहस से पहले आया है। रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि अगर विपक्षी पार्टियाँ परीक्षा सुधार विधेयक पर चर्चा नहीं करना चाहती हैं, तो सरकार बिना चर्चा के ही विधेयक पारित करा लेगी। अपनी बात कहने के बाद, स्पीकर ने सभी पार्टियों से बातचीत करने को कहा ताकि शाम 5 बजे बहस शुरू हो सके। भारतीय जनता पार्टी और नेशनल



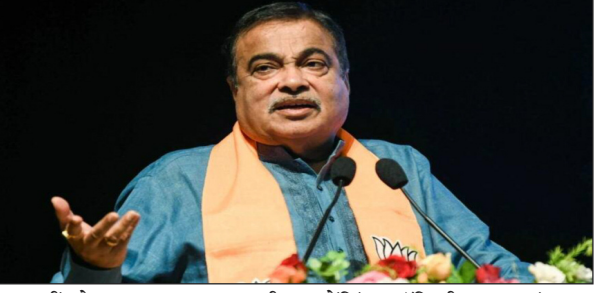
डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को बिल पर बोलने वाले नेताओं की लिस्ट सौंपी है, जिसमें एनडीए के लगभग 12 सदस्यों के नाम तय हैं। इनमें बांसुरी स्वराज, तेजस्वी सुर्वा, शशांक मणि त्रिपाठी, अनुराग ठाकुर, श्रीकांत शिंदे, अरुण भारती, आलोक सुमन, अनुप्रिया पटेल और सावली चौध शामिल हैं। यह बिल केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया था और उम्मीद है कि सरकार

इस कानून पर आठ घंटे की चर्चा का प्रस्ताव रखेगी। कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने मांग की है कि इस बिल पर सीधे चर्चा न की जाए। इसके बजाय, उन्होंने मांग की है कि इसे विस्तार से जांचने के लिए संसदीय स्थायी समिति या संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाए। कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले लोकसभा में छात्रों पर कथित हमले के बारे में बयान दें, और उसके बाद

ही बिल पर चर्चा आगे बढ़ाई जाए। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह रुख है - और राहुल गांधी ने कई बार यह बात दोहराई है - कि छात्रों के साथ जैसा बर्ताव किया गया, उसके लिए प्रधामंत्री और सरकार को माफी मांगनी चाहिए। लोगों में बहुत गुस्सा है। दुख की बात है कि 'डबल-इंजन' सरकार छात्रों को दबाने पर तुली हुई है। उन्हें (पुलिस को) छात्रों पर गोली चलाने की हिम्मत कैसे हुई? इससे पहले दिन में, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने बताया कि यह बिल छात्रों की ओर से देश भर में जताई गई चिंताओं के जवाब में पेश किया गया था। उन्होंने विपक्ष से इस कानून पर 'विरुद्ध और खुली बहस' करने का आग्रह किया।

ई20 से जुड़े फर्जी एआई वीडियो पर एक्शन, एचसी से मिली मुकदमा चलाने की मंजूरी, अपराध साबित होने पर किसको और कितनी होगी सजा?

नई दिल्ली एजेंसी: बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सोशल मीडिया पर फैलाई गई कथित मानहानि वाली पोस्ट और डीपफेक कंटेंट के लिए गुगल, एक्स और एक्स मेटा जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के खिलाफ सिविल मानहानि का मुकदमा दायर करने की इजाजत दे दी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस अभय आहुजा की बेंच ने गडकरी को यह मुकदमा दायर करने की मंजूरी तब दी जब उनके वकील संदीप एस. लड्डा ने दलील दी कि कथित मानहानि वाला कंटेंट मुंबई में यूजर्स के लिए अलग-अलग इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध था। इससे बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में मामले का एक बड़ा हिस्सा बनता है। 'लेटर्स पेटेंट' के क्लॉज



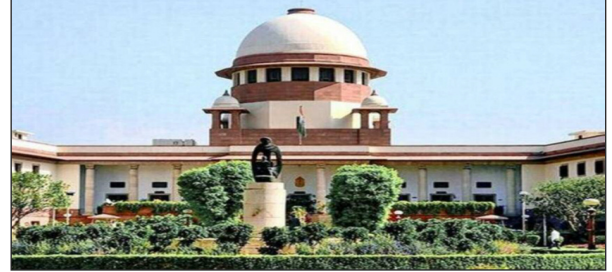
बारहवों के तहत दायर अपनी याचिका में गडकरी ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन गलत, गुराह करने वाली और मानहानि करने वाली सामग्री पब्लिश की गई, जिसमें उन्हें और उनके परिवार को केंद्र की ई20 (20 प्रतिशत इथेरॉल-मिश्रित पेट्रोल) पॉलिसी से कथित तौर पर होने वाले आर्थिक लाभ से जोड़ा गया। याचिका में कहा गया कि ये आरोप बेबुनियाद हैं क्योंकि इथेरॉल-

क्लॉइंग पॉलिसी का संचालन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय करता है, न कि गडकरी के नेतृत्व वाला सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय। प्रस्तावित सिविल केस में गडकरी ने कथित तौर पर मानहानि करने वाली सामग्री के पब्लिकेशन और संकुलेशन पर स्थायी और अनिवार्य रोक लगाने की मांग की है। इस सामग्री में ऐसा कंटेंट शामिल है जिसमें उन पर झूठे बयान

थोपे गए हैं, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है, और उनकी सहमति के बिना उनके नाम, तस्वीर, चेहरे के हाव-भाव और आवाज का इस्तेमाल करते हुए एआई से बनाए गए ऑडियो और विजुअल का इस्तेमाल किया गया है। केंद्रीय मंत्री का दावा है कि इस सामग्री से उनकी प्रतिष्ठा, गुडविल, सम्मान और पब्लिक इमेज को "गंभीर और अपूरणीय" नुकसान पहुंचा है, साथ ही उनके पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है। हाई कोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद, गडकरी अब मेटा, एक्स, गुगल और अन्य संबंधित पक्षों के खिलाफ मानहानि का सिविल केस करेगी और मानहानि करने वाले और मगगद्वंद्व कंटेंट के कथित प्रसार के खिलाफ कानूनी उपाय मारिगे।

दल-बदल कानून में 'खामियों' पर कपिल सिब्बल की याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक पीआईएल पर नोटिस जारी किया। यह पीआईएल कपिल सिब्बल ने दायर की थी, जिसमें संविधान की दसवीं अनुसूची की उस व्याख्या को चुनौती दी गई है जो विधायकों को राजनीतिक पार्टी के विलय के जरिए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य होने से बचने की इजाजत देती है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अग्रवा की बेंच ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद इस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। भारत के दलबदल विरोधी कानून से जुड़ी "बड़ी समस्याओं" का जिक्र करते हुए बेंच ने कहा कि यह कानून विधायिका ने बनाया है। बेंच ने आगे कहा कि ऐसे मुद्दों को अदार्श रूप से सदन के भीतर ही उठाया जाना चाहिए। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें आम तौर पर सदन में उठाया जाना चाहिए, अगर ऐसा नहीं होता, तो कम से कम राजनीतिक दलों के



सामने तो उठाया ही जाना चाहिए। 10वीं अनुसूची का मकसद विधायकों के बीच के कामकाज के तरीके को रेगुलेट करना है। हमने देखा है कि 10वीं अनुसूची के कामकाज में कई बड़ी दिक्कतें सामने आई हैं। लेकिन इसे बनाया किसने? इसे संसद सदस्यों (एमपी) ने ही बनाया है। सिब्बल ने जवाब दिया कि कभी-कभी सांसद भी गलतियाँ कर सकते हैं और हो सकता है कि यह मामला कभी सुलझ ही न पाए क्योंकि इससे सत्ता में बैठे लोगों को फायदा होता है। सिब्बल ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग कभी भी इस मामले का फैसला नहीं होने देंगे। सिब्बल,

जो एक सांसद भी हैं, ने कहा, कृपया इस प्रस्ताव पर गौर करें। समस्या की गंभीरता को समझें। चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है। एक अल्पसंख्यक समूह बहुमत में बदल सकता है और बहुमत वाला समूह अल्पसंख्यक बन सकता है।

सिब्बल ने दसवीं अनुसूची के तहत विलय से जुड़े प्रावधानों की संवैधानिक व्याख्या पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्याख्या के कारण अलग हुए गुट, दूसरी राजनीतिक पार्टियों के साथ विलय करके दलबदल विरोधी कानून की सख्ती से बच सकते हैं।

एक सीए भी एसआईटी में होना चाहिए, 2 हफ्ते में दें स्टेटस रिपोर्ट, राम मंदिर डोनेशन स्कैम पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

लखनऊ एजेंसी: राम मंदिर दान में हेराफेरी के मामले की सुनवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुझाव दिया कि अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी और हेराफेरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि इन आरोपों की प्रकृति वित्तीय और फॉरेंसिक है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की, जिनमें से दो में सीबीआई जांच की मांग की गई है। पिछली सुनवाई में, सीजेआई ने एसआईटी के पुनर्गठन का आदेश दिया था, जिसमें सीनियर आईएएस अधिकारियों की जगह सीनियर आईपीएस अधिकारियों की अनुमति वाली टीम या जांच के मकसद से खास तौर पर एक नई रकब्त बनाने को कहा गया था।

उम्मीद है कि कल सुप्रीम कोर्ट राज्य की एसआईटी द्वारा दायित्व अंतरिम जांच स्टेटस रिपोर्ट पर चर्चा करेगा। भारतीयवायु सेना भर्ती सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल गुणार मेहता ने बताया कि अदालती आदेश के तहत 3 आईपीएस अधिकारियों की नई एसआईटी गठित कर दी गई है। इस टीम में आईजी किरण एस (लखनऊ रेंज), डीआईजी सोमेन वर्मा (अयोध्या रेंज) और एसएसपी गौरव ग़ोवर (अयोध्या) शामिल हैं। मामले में वकील पद्म ने सवाल उठाया कि ट्रस्ट को बड़े पैमाने पर जन-सहयोग मिला है, जिसे पारदर्शिता के लिए वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए। वहीं, सरकार को और से दलील दी गई कि फिलहाल पहली प्राथमिकता जांच को गति देना है।

मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी एक्टिविस्ट नहीं... इस्तीफे के बाद पहले रिएक्शन में ऐसा क्यों बोले धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली एजेंसी: छात्रों के जबरदस्त विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद, धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। इस दौरान बीजेपी सांसदों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। जब प्रधान के साथियों ने उनका स्वागत किया, तो वे मुस्कुराते हुए नजर आए। बीजेपी के एक सांसद ने कहा कि शायद वह पहली बार है जब किसी केंद्रीय मंत्री ने बिना किसी व्यक्तिगत आरोप का सामना किए इस्तीफा दिया है। इसी स्वागत-समारोह के दौरान जयराम रमेश प्रधान के पास पहुंचे और उनके इस्तीफे पर सहानुभूति जताई। कांग्रेस नेता ने उनसे कहा, "ऐसा होता रहता है।" प्रधान ने तुरंत जवाब दिया, "कुछ नहीं हुआ।" और साथ ही कहा: "मैं जमीनी स्तर पर लड़ने वाला नेता हूँ, एसी कमरे में बैठकर काम करने वाला एक्टिविस्ट नहीं।" बीजेपी नेताओं ने इस छोटी सी बातचीत को इस संकेत के तौर पर देखा कि कैबिनेट से हटने के



बावजूद प्रधान राजनीतिक रूप से आत्मविश्वास से भरे हुए हैं और अपनी अगली जिम्मेदारी संचालने के लिए तैयार हैं। इससे बीजेपी में उनकी अगली भूमिका को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं। ओडिशा में पार्टी के सबसे बड़े नेताओं में से एक होने के अलावा, प्रधान को बार-बार संगठन और चुनाव से जुड़ी अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। छात्रों के हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को

इंफॉसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकानी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कार्य बल के गठन की घोषणा की। इस कार्य बल का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करना है। आज सुबह सरकार ने लोकसभा में पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश किया, जिसमें 10 साल तक की कैद और 50 लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। यह कदम नीट परीक्षा घोटाले के खिलाफ देशव्यापी छात्र प्रदर्शनों के कुछ ही दिनों बाद उठाया गया है

37 दिन के सीजेपी आंदोलन पर हुए 'गुप्त समझौते' का सच बताए मोदी सरकार: अखिलेश यादव की मांग

नई दिल्ली एजेंसी: समाजवादी पार्टी ने सोमवार को परीक्षा से जुड़े मुद्दों को संभालने के तरीके को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई से पता चलता है कि सरकार जनता की भावनाओं की परवाह नहीं करती। पार्टी ने यह सवाल भी उठाया कि क्या सिस्टम में सुधार किए बिना सिर्फ कड़े कानूनों से ही पेपर लीक को रोक जा सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि इतना बड़ा आंदोलन या तो सरकार की कोशिशों से खत्म हुआ या इसलिए कि सरकार

ने छात्रों की मांगें मान लीं; सरकार झुक गई है, इसलिए उसे उन खास बातों का खुलासा करना चाहिए जिन पर उसने सहमति जताई है। सरकार ने कहा था कि किस दर्ज नहीं किए जाएंगे, फिर भी केस दर्ज किए जा रहे हैं। बिहार में कई छात्रों को जेल भेज दिया गया। पत्रकारों से बात करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह कई जगहों पर छात्रों और युवाओं के खिलाफ मामले दर्ज करके उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को "जन-चेतना" को चुनौती नहीं देनी चाहिए



और साथ ही कहा कि बढ़ती जन-जागरूकता खुद सत्ताधारी व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन गई है। इस मुद्दे पर विपक्ष की प्रतिक्रिया का जिक्र

करते हुए, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेता एक साथ बैठकर आगे की कार्रवाई तय करेंगे। इस बीच, वरिष्ठ सपा नेता रामगोपाल यादव ने सवाल उठाया कि क्या 'पब्लिक एजामिनेशनस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट

संटरों की पहुंच बहुत ज्यादा होती है, उनके अक्सर अंदरूनी इंतजाम होते हैं-वहीं से लीक की शुरुआत होती है। आप चाहे कितने भी कानून बना लें, ये गड़बड़ियां तब शुरू हुई जब प्रक्रिया डिजिटल हो गई; डिजिटल युग से पहले ऐसी चीजें नहीं होती थीं। लीक करना या हैक करना बहुत आसान हो गया है। सपा के एक और सीनियर नेता अवधेश

अखिलेश यादव ने 37 दिन चले सीजेपी छात्र आंदोलन के गुप्त समझौते पर पारदर्शिता की मांग की, केंद्र सरकार पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिर्फ कड़े कानूनों से पेपर लीक नहीं रुकेगी और 'जन-चेतना' को

प्रसाद ने कहा कि यह बिल बहुत देर से आया है। उन्होंने कहा कि यह पहले ही हो जाना चाहिए था। इलाज से बेहतर बचाव है। अगर ऐसा कानून पहले होता, तो आत्महत्या करने वाले कई युवाओं की जान बचाई जा सकती थी। छात्रों ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया, कई लोगों को चोटें आईं, अखिलेश यादव को हिरासत में लिया गया, विपक्ष के नेता को हिरासत में लिया गया। अगर यह कानून पहले आ गया होता, तो ऐसी घटनाएं शायद नहीं होतीं।



संपादकीय

शर्ती की मोहताज संसद

संसद के मानसून सत्र के पांच दिन बीत चुके हैं। कोई काम नहीं, कोई चर्चा नहीं, सिर्फ हंगामा और नारेबाजी...! संसदीय व्यवस्था के अनुसार, 45 करोड़ रुपए से अधिक फुंक चुके हैं। यह किसी सरकार, विपक्ष या आंदोलनकारी की राशि नहीं थी। करदाता ने दी थी, ताकि संसद चल सके। संसद के पटल पर सिर्फ वे कागजात या रपटें रखी जा सकी हैं, जिनकी औपचारिकता विधायी तौर पर अनिवार्य होती है। स्पीकर, सभापति और पीठासीन अधिकारी आसन पर आकर बैठते हैं, विपक्ष के हंगामा करते सांसदों को 'उपदेश' देते हैं, अंततः सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ती है। विपक्ष और प्रदर्शनकारी बखूबी जानते हैं कि यदि बर्फ पिघलेगी और कोई समाधान निकलेगा, तो वह सिर्फ और सिर्फ संसद में चर्चा के बाद ही निकलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार, 23 जुलाई, देर रात फास्ट ट्रैक कोर्ट बिल के मसविदे की घोषणा की है और शिक्षा मंत्रालय के दो शीर्ष, सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। अब कैबिनेट की स्वीकृति के बाद विधेयक संसद में आना है। संसद में ही उसे पारित किया जा सकता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन सकता है। यदि संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का बिल और माफिया को जल्द और कठिन दंड और असंभव-सी जमानत वाला कानून लटक कर रह जाएगा। सड़कों पर नारेबाजी और हुड़दंग मचाने से कोई भी विधायी व्यवस्था नहीं बन सकती। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लगभग समूचे विपक्ष की यह शर्त है कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए अथवा प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें। उसके बाद ही संसद में चर्चा संभव है। जंतर-मंतर पर बीते 35 दिनों से प्रदर्शन कर रहे युवाओं की भी यही शर्त है। बहरहाल हर सड़किया प्रदर्शनकारी की शर्तों के मुताबिक, न तो संसद चलती है और न ही बहस की दिशा और आधार तय होते हैं। इस देश में संसद और आंदोलनकारी दोनों ही स्वतंत्र हैं। शुक्रवार, 24 जुलाई, की सुबह एक सुखद खबर मिली कि देर रात करीब 12.40 बजे सोनम वांगचुक ने 26 दिन से जारी अपना अनशन तोड़ दिया। केंद्रीय मंत्रियों-जेपी नड्डा और डॉ. जितेन्द्र सिंह-ने 'मेदांता' अस्पताल जाकर उन्हें जूस पिलाया और यूं वांगचुक का अनशन टूटा। अब उन्हें प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आह्वान करना चाहिए कि आंदोलन समाप्त करो, सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर कुछ समय दो, लेकिन वांगचुक ने ऐसा नहीं किया है, हालांकि आंदोलनरत कॉकरोचों ने अनशन तोड़? को बड़ी राहत माना है। बहरहाल शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की शर्त वांगचुक और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की नहीं है। वे बेहतर शिक्षा-व्यवस्था और पेपरलीक सरीखे राष्ट्रीय मुद्द पर संसद के भीतर सकारात्मक चर्चा के पक्षधर हैं। मंत्री का इस्तीफा तो कभी भी हो सकता है, लेकिन सरकार के विरोध में सबसे बुलंद और

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

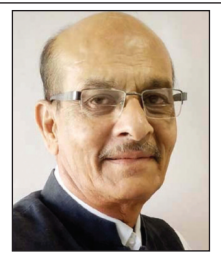
मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

आवश्यकता है

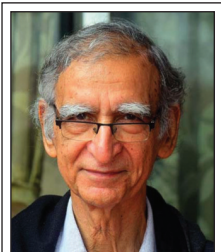
आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सनत जैन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेद्र प्रधान का इस्तीफा हो चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष इसे अपनी सबसे बड़ी जीत बता रहा है। पिछले 12 साल की मोदी सरकार के दौरान जितने भी आंदोलन हुए हैं, उन आंदोलनों में निश्चित रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के बेनर तले हुआ आंदोलन प्रभावी रहा, प्रदर्शनकारियों को भारी जीत मिली है। युवाओं के मन से डर और भय पूरी तरह से बाहर निकल गया है। वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए स्वयं तैयार हो गए हैं। नेतृत्व तो एक मुखोटा है। इस सत्य को युवा शक्ति, सरकार और विपक्ष को स्वीकार करना होगा। कॉकरोच जनता पार्टी का जो नेतृत्व कर रहे हैं, ना तो उनकी कोई पहचान है, नाही उनकी कोई विश्वसनीयता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी जिसमें उन्होंने युवा बेरोजगारों को फर्जी डिग्री धारी मानकर उन्हें कॉकरोच पार्टी एक संयोग के रूप में सामने आई है। 12 साल में मोदी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी पराजय है। सरकार के अंदर भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक संगठन में इसकी



राम पुनियानी

इन दिनों उत्तरप्रदेश के रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर धरना जारी है। समाजवादी पार्टी के सदस्य आज़म खान, जो वर्तमान में जेल में हैं, इस विश्वविद्यालय का संचालन करने वाले न्यास के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रामपुर विकास प्राधिकरण के उस नोटिस के खिलाफ धरना दे रहे हैं जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को दह्राए जाने का आदेश दिया गया है। ऐसा करना विश्वविद्यालय को बंद कर देने जैसा होगा। इंडियन एक्सप्रेस (20 जुलाई 2026) के अनुसार विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एक छात्रा मेहरोजा खान ने कहा, 'हमारा करियर और भविष्य दांव पर लगा है। हमने धरने पर बैठने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हम चाहते हैं कि सरकार विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। हम कहीं और अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाएंगे, विशेषकर बहुत दूर के कालेजों में। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां हमें विभिन्न शुल्कों में छूट मिलती है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को 50 प्रतिशत छूट मिलती है। जिन छात्रों के माता-पिता का दहांत हो चुका है उन्हें भी छूट मिलती है। यहां भी. फार्मा और डॉ. फार्मा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिनकी पढ़ाई हममें से बहुत से छात्र अन्य संस्थानों में नहीं कर पाएंगे।' रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का शिला-न्यास 18 सितंबर 2006 को हुआ था। इसे मोहम्मद अली जौहर न्यास ने कई सालों में धीरे-धीरे विकसित किया। हालांकि इसमें विभिन्न निर्माण कार्य

जय और पराजय की सोच से बाहर निकलें योद्धा



रहे हैं। उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी। सहानुभूति के स्थान पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच कह दिया गया। जब वह अपनी मांग को लेकर सड़कों पर उतरते थे, तब उन पर सरकार द्वारा लाठियां बरसाई जाती थीं, सरकार द्वारा उनके ऊपर मुकदमे दर्ज कर उन्हें डरा और धमकाकर चुप करा दिया जाता था। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी ने पढ़े लिखे डिग्री धारी बेरोजगारों की समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर उस आग में घी डालने का काम किया था। यह आग अब बुरी तरह से सारे देश में फैल चुकी है। इन्हें एक नेतृत्व की जरूरत थी, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया पर प्लेटफार्म मिला। देशभर के सारे युवा अपने भविष्य की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर आए। इसमें जंतर-मंतर और कॉकरोच पार्टी एक संयोग के रूप में सामने आई है। 12 साल में मोदी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी पराजय है। सरकार के अंदर भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक संगठन में इसकी

बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी इसका असर होना तय है। अभी तक जो लोग डरे हुए थे, उनका डर और भय इस आंदोलन के बाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। केवल युवा ही नहीं अन्य वर्ग के लोग भी अब सरकार के सामने खड़े होने की हिम्मत कर पा रहे हैं। सभी वर्ग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने मुखर हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी है, वह बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको बदले। मोदी सरकार के बारे में यह कहा जाता है, वह अपने अपमान को कभी भूलते नहीं हैं। समय आने पर तितुने वेग के साथ हमला कर सामने वाले को पूरी तरह से नेस्त-नाबूत कर देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ताजा उदाहरण हैं। नीतीश कुमार भी अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहे। उनकी पार्टी और उनका भविष्य अब भाजपा के रहमों करम पर है। ऐसी स्थिति में लोगों को आशंका है, आंदोलन खत्म होने के बाद सरकार जल्द ही बदले की कोई कार्रवाई करेगी।

इमारतें ढहाने से कमजोर होता है देश

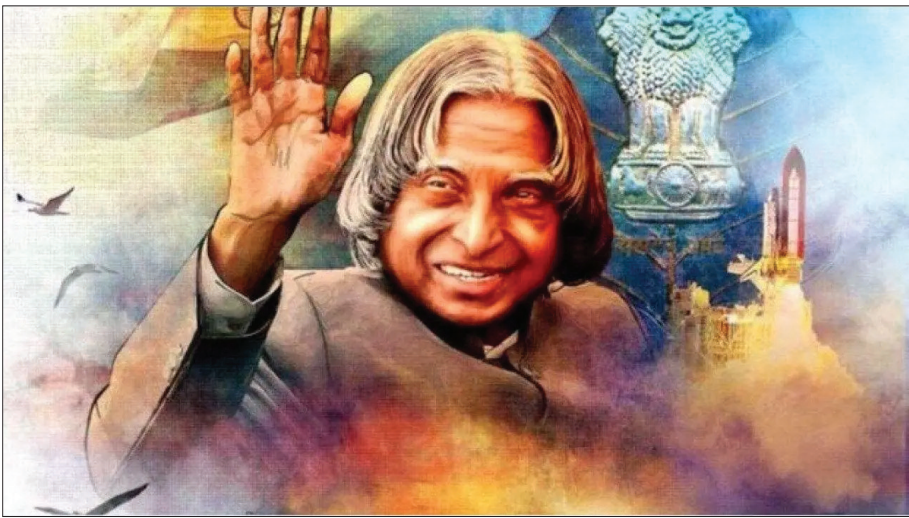
कब हुए यह कानूनी एवं प्रशासनिक विवाद का विषय बन गया है। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अनुसार जहां विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय और एक प्रशासनिक खंड का निर्माण विधिवत अनुमति्यां एवं स्वीकृति्यां हासिल करने के बाद ही किया गया है, वहीं परिसर में स्थित 38 अन्य भवनों का निर्माण सक्षम शासकीय कार्यालयों की अनिवार्य अनुमति्यां हासिल किए बगैर कर लिया गया। विश्वविद्यालय का कहना है कि इन भवनों का निर्माण वर्षों पहले किया गया था - उस समय जब यह स्थान (सिंगनखेड़ा गांव) आरडीए के क्षेत्राधिकार में नहीं था - और इन निर्माणों की अनुमति स्थानीय जिला पंचायत से ली गई थी।

आरडीए के अनुसार बगैर अनुमोदन के किए गए इन निर्माणों और भूमि उपयोग के कथित उल्लंघनों के चलते उसने इन 38 भवनों को हटाए जाने या दहाए जाने का आदेश दिया। विद्यार्थियों और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं/राजनैतिज्ञों ने निवेदन किया कि विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाया जाना अनुचित होगा क्योंकि विश्वविद्यालय विभिन्न वर्गों के छात्रों की अमूल्य सेवा कर रहा है, विशेषकर मुस्लिम और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की। उन्होंने दावा किया कि सरकार का मुख्य ध्येय मुसलमानों को शिक्षा से वंचित करना है। वैसे शिक्षा उन प्रमुख मुद्दों में से एक है जिनके प्रति मौजूदा सरकार का उपेक्षापूर्ण रवैया रहा है, जैसा कि इन दिनों चल रही युवाओं एवं विद्यार्थियों की आक्रोश की लहर से पता चलता है। जहां तक अल्पसंख्यकों की शिक्षा की बात है, उसकी राह में तो और अधिक बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। दूसरा पहलू है मुस्लिम पहचान वाले भवनों और ढांवों को तोड़ना। जौहर विश्वविद्यालय की इमारतों को ढहाया जाना इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है। काशी, मथुरा, संभल, अजमेर दरगाह और सहारनपुर की मस्जिद आदि वेटिंग लिस्ट में हैं। हाल में हमने देखा कि मध्यप्रदेश में स्थित कमाल मौला मस्जिद इस आधार पर हिन्दुओं को सौंप दी गई कि यह वाग्देवी का मंदिर है। कई अन्य मस्जिदें बाबरी मस्जिद की तर्ज पर निशाने पर हैं। इन पर दावा जताने के लिए रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीति

ही दुहराई जा रही है। मध्यकालीन इतिहास का दुरुपयोग राजनैतिक और साम्प्रदायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा रहा है। मस्जिदों और इसी तरह के अन्य विवाद इन कुतर्कों पर आधारित हैं कि मध्यकाल में मंदिरों को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया गया था। ये दावे अक्सर इतिहास की बड़ा-चढ़ाकर की गई या विकृत व्याख्या पर आधारित होते हैं जिनमें औपनिवेशिक काल की टीका-टिप्पणियों का हवाला दिया जाता है। इस तरह के दावे 'उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों के एकदम खिलाफ होते हैं जो बाबरी मस्जिद को ढहाने में सफलता हासिल करने के साथ हुई, जिसके संबंध में यह दावा था कि बाबर ने राममंदिर तुड़वाकर उसकी जगह मस्जिद का निर्माण करवाया था। इसके बावजूद कि न्यायालय का फैसला ह्राजनभावनाओंआ और न्यायाधीशों के ह्रासपने में भगवान के आने परह्रा आधारित था, फैसले में यह माना गया कि 1949 में वहां रामलला की मूर्ति की स्थापना किया जाना एक अपराध था। इसी तरह 6 दिसंबर 1992 को मस्जिद को दहाए जाने को भी अपराध माना गया। इस घटना ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया, जो अंततः 1996 में पहली बार, उसके बाद 1999 में और अंततः 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही।

लेकिन बाबरी मस्जिद द्हाए जाने से भाजपा को जो लाभ मिला, उससे भाजपा-आरएसएस के मन में यह लालच आया कि इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर और अधिक कामयाबी हासिल की जा सकती है। इसलिए वह अन्य स्थानों के संबंध में ऐसे ही दावे करती रही और न्यायपालिका 1991 के अधिनियम को नजरअंदाज करते हुए इन दावों के संबंध में जांच-पड़ताल करने का आदेश देती रही जिससे ध्रुवीकरण बढ़ा और हिन्दू राष्ट्रवादियों को जबरदस्त फायदा हुआ। हिन्दू दक्षिणपंथी विचारकों के उर्वर दिमागों में अब एक विश्वविद्यालय को निशाना बनाने का विचार

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम



तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थीं। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थीं, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाक्या सप्रण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें

इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन् उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है

किसान आंदोलन खत्म करने के समय जो वादे सरकार ने किये थे, वह आज तक पूरे नहीं हुए। किसान संगठन एक बार फिर सड़कों में आने की तैयारी कर रहे है। कॉकरोच जनता पार्टी का जो शीर्ष नेतुत्व है, वह जिस तरह से जीत का जश्न मना रहा है, भाजपा को लग रहा है, वह कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से युवाओं को जैसा चाहेंगी वैसा नचा सकती है। यह भविष्य में संभव नहीं होगा। युवाओं के बीच विश्वसनीयता के साथ राहुल गांधी को लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अन्ना आंदोलन के बाद मोदी सरकार का बनना, केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी का इतिहास सारे देश के सामने है। मोदी सरकार में जो सबसे ज्यादा भ्रष्ट था, जिसे किसी भी कारण से सरकार को उसके पद से हटाना पड़ा। उसके बाद उसे मोदी सरकार ने पुरस्कृत ही किया है। मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से यही करती आ रही है। धर्मेद्र प्रधान को वह किस रूप से पुरस्कृत करेगी, यह अभी से चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। दोनों ही पक्षों को जय और पराजय से बाहर निकालकर युवाओं और देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आना होगा। सरकार को विपक्ष के साथ भी चर्चा करके आम सहमति बनानी होगी। परिस्थितियाँ अब पूरी तरह से बदल गई हैं। सब अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। अस्तित्व की लड़ाई में जंगल का कानून लागू होता है। इसमें या तो शिकार मरता है या शिकारी मरता है। युवाओं के इस आंदोलन ने अंधीजों भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिला दी है। उस समय भी देश का युवा आजादी की लड़ाई में बिना डर-भय के सड़कों पर आ गया था।

आया है। इस प्रस्तावित तोड़फोड़ से एक अतिरिक्त उद्देश्य की पूर्ति होगी- वह है मुसलमानों को बदनाम करना और उनके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा से महरूम करना, जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

इसी तर्ज पर सहारनपुर की एक बहुत पुरानी छोटी सी मस्जिद को भी नोटिस जारी कर इस आधार पर हटाए जाने को कहा गया है कि उसके निर्माण के लिए जितनी अनुमतियां ली जानी थीं, वे नहीं लीं गईं। हिन्दू दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए येन केन प्रकारण मुस्लिमों के निमाणों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्यराष्ट्रनिर्माणह्य का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रती भर परवाह नहीं है। आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एएस, सार्वजनिक क्षेत्र के कल-कारखानों और सिंचाई की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा सत्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निमाणों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनैतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सुझाई आएगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्यावाहियों और छोटी-मोटी बातों को तुल देकर मुसलमानों के निमाणों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे? (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'ईडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टैकोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकार्टिंग' एंड एएससमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं को अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान मिलान में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अवाक दिल का दौरा पड़ने पर स्वतः के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गए। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न, वसूली में तेजी लाने के निर्देश



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा राजस्व वसूली की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित राजस्व वसूली के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करते हुए वसूली कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि

शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा बड़े बकायेंदारों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में विभागवार वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले विभागों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों से कहा गया कि वसूली अभियान की नियमित निगरानी करें तथा प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायित्व तय करते हुए लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आबंटन से संबंधित प्रकरणों, सार्वजनिक उपयोग की भूमि से अनाधिकृत अतिक्रमण हटाने



की कार्यवाही, भू-माफियाओं एवं अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध धारा 122-बी के वादों के निस्तारण, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की प्रगति, स्टाम्प वाद, राजस्व वादों के निस्तारण, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 80, धारा 41, धारा 24 एवं धारा 67 के अंतर्गत वादों की प्रगति, तहसील एवं नायब तहसीलदार न्यायालयों में लंबित एवं निस्तारित वादों की मासिक प्रगति, धारा 116 के अंतर्गत वादों का विवरण, जनहित गारंटी अधिनियम के अंतर्गत निस्तारित प्रकरण, ऑडिट आपत्तियों, राजस्व अभिलेखागार में दर्ज

पत्रावलियों, सुरलेख के प्रपत्रों, लंबित विभागीय कार्यवाहियों, लंबित पेंशन प्रकरणों तथा विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी से संबंधित प्रपत्रों की समीक्षा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत समस्त खंड विकास अधिकारी आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

व्यर्थ से समर्थ की यात्रा विषय



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मोहल्ला कोट अमरोहा में स्थित प्रभु संदेश भवन की बहनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दूसरे दिन विक्टोरिया बैक्विट हॉल अमरोहा में डेरावल दिल्ली सेंटर से पधारी अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर एवं प्रशिक्षक राजयोगिनी बी.के. लता दीदी द्वारा व्यर्थ से समर्थ की यात्रा विषय पर एक विशेष क्लास कराया गया। जिसे सुनने के लिए अमरोहा, जोया, मुरादाबाद एवं आस-पास के सैन्ट्र से लगभग 250 भाई बहन बैक्वेट

हॉल में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रातः 10:00 बजे से बीके लता दीदी द्वारा मुरली क्लास कराई गई। इसके बाद संस्था की निमित्त बहनों द्वारा योग युक्त होकर तैयार किया गया ब्रह्मभोग परमपिता परमात्मा को स्वीकार कराया गया। स्वागत वेला के पश्चात बीके लता दीदी द्वारा अपने वक्तव्य में व्यर्थ से समर्थ की यात्रा विषय पर बहुत ही सरल तरीके से सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा अपने वक्तव्य में यात्रा का अर्थ, व्यर्थ एवं समर्थ का शाब्दिक अर्थ बताते हुए बीती को बिन्दी लगाने अर्थात् भुलाने



के लिए प्रेरित किया गया। समर्थ बनने के लिए क्षमा करने का स्वभाव बनाने, सुबह परमात्मा से लेकर सारे दिन कर्मजोर आत्माओं को देने और कर्म योग पर विशेष चर्चा की गई। कर्म योग के अंतर्गत धन की सेवा, मनसा सेवा तथा धन की सेवा के बारे में विस्तार से बताया गया। दूसरों को देखकर नकल नहीं करनी है स्वयं अपने विवेक से कार्य लेना है। परमपिता परमात्मा ने इतने बड़े संसार में से हम आत्माओं को एक विशेष कार्य के लिए चुना है उसका ध्यान रखते हुए अपने चलन एवं चेहरे से दूसरों को प्रभावित करना है। देवी

गुण धारण करने हैं। स्वपरिवर्तन से विश्व परिवर्तन लाना है। बीके लता दीदी ने इसी प्रकार की अनेक कथाओं एवं उदाहरण के द्वारा सरल तरीके से समझाते हुए उपस्थित आत्माओं को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में संस्था की निमित्त बहन बीके अर्चना, भावना, विनीता, पूनम, रीता, रश्मि निर्दोष आदि के अतिरिक्त लगभग 250 भाई बहन उपस्थित रहे। अंत में सभी भाई बहनों ने योग युक्त होकर शान्तिपूर्ण ढंग से ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया।

उपचार से बचाव हमेशा बेहतर होता है, सभी विभाग गंभीरता से करें कार्य :- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की उपस्थिति में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की चौथी अंतरविभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर किया गया। बैठक के प्रारम्भ में जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके उपरंत पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों की बिंदुवार गहन समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों द्वारा अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों एवं प्रगति का मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त



चिकित्सा अधीक्षकों, अधिशासी अधिकारियों तथा एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से लावीसॉइडल स्प्रे, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक निरोधात्मक गतिविधियां प्रभावी ढंग से संचालित कराई जाएं, जिससे संचारी रोगों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने समस्त उप मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान की ब्लॉक स्तर पर नियमित

एवं गहन समीक्षा सुनिश्चित करें तथा अभियान की प्रगति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय संचारी रोगों की रोकथाम की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यदि इसी समय पूरी गंभीरता के साथ साफ-सफाई, जलभराव के रोकथाम, लावीसॉइडल स्प्रे तथा अन्य निरोधात्मक गतिविधियों को

प्रभावी ढंग से संचालित कर लिया जाए, तो आने वाले समय में संचारी रोगों के प्रसार एवं किसी भी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को पूर्ण सतर्कता, आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सभागार में बचाव हमेशा बेहतर होता है। इसलिए सभी विभाग रोगों के उपचार से अधिक उनकी रोकथाम पर विशेष ध्यान दें तथा जनसामान्य को भी साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरोहा पालिका के 'संभव दिवस' में स्वच्छता और प्रकाश की समस्याओं का निस्तारण, सभी 6 शिकायतें हुई दूर

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद कार्यालय में आयोजित 'संभव दिवस' के दौरान जनसुनवाई करते हुए अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया। इस दौरान मुख्य रूप से शहर में साफ-सफाई और पथ प्रकाश से जुड़ी जनशिकायतें प्रमुखता से सामने आईं, जिन पर ईओ ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए। संभव दिवस में कुल 6 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें नगरवासियों ने अपने वाडों में व्याप्त गंदगी, कूड़े के उठान में देरी और



खराब स्ट्रीट लाइटों को लेकर अपनी परेशानियां रखीं। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को तलब किया

और तय समय सीमा के भीतर सभी समस्याओं का मौके पर ही शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित कराया। ईओ ने कर्मचारियों को कड़ी हिदायत दी कि जनशिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान होना पालिका की पहली जिम्मेदारी है, ताकि शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं मिल सकें। इस दौरान पालिका के अन्य संबंधित कर्मचारी भी मौजूद रहे। कावड़ यात्रा के बारे में अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष गत वर्ष से भी बेहतर व्यवस्था रहेगी, मैंने खुद कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर संबंधितों को दिशा-निर्देश दे दिए हैं।

थाना सैदनगली पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण, 02 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से 35,540/- नकदी, 09 डिब्बी सिगरेट तथा घटना में प्रयुक्त सेन्ट्रो कार बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना सैदनगली पुलिस ने चोरी की घटना का 04 दिन के भीतर सफल अनावरण करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। मु0अ0सं0 191/2026, धारा 305/331(4) बीएनएस से संबंधित इस घटना में गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 35,540/- नकद तथा 09 डिब्बी छोटी गोखड़ प्लैक सिगरेट बरामद की गई। साथ ही घटना में प्रयुक्त हुन्डई सेन्ट्रो कार संख्या वटह14इख6648 को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकद्दमे में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक वैधानिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत



किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि 21/22 जुलाई 2026 की रात्रि में कस्बा सैदनगली स्थित घंटाघर के समीप मेन हाईवे पर स्थित एक शीघ्र अनावरण हेतु थाना सैदनगली परचून की दुकान एवं उसके बराबर स्थित मोबाइल की दुकान में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना कारित की गई थी। घटना के संबंध में वादी पप्पू प्रजापति पुत्र हीरालाल निवासी मोहल्ला बगीची, कस्बा एवं थाना

सैदनगली की तहरीर के आधार पर थाना सैदनगली पर उरोक्त अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना के शीघ्र अनावरण हेतु थाना सैदनगली पुलिस द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन, तकनीकी साक्ष्यों का संकलन, सुरागरसी-पतारसी तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी क्रम में 26 जुलाई 2026

को पुलिस टीम को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि चोरी की घटना में शामिल अभियुक्त कालाखेड़ा पुल के बाईं ओर कच्चे रास्ते पर सफेद रंग की सेन्ट्रो कार में बैठकर अपने साथियों का इंतजार कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा योजनाबद्ध ढंग से घेराबंदी कर कार में बैठे दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर उक्त चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। साथ ही घटना में शामिल दो अन्य अभियुक्तों के नाम भी प्रकाश में आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

रहरा थानाक्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

शौच के दौरान गांव के युवक पर जबरदस्ती की कोशिश, शोर मचाने पर आरोपी फरार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रहरा थानाक्षेत्र में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पीड़ित पक्ष ने गांव निवासी एक युवक पर आरोप लगाते हुए थाना रहरा में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की

है। पीड़ित पक्ष के अनुसार घटना के समय नाबालिग घर से कुछ दूरी पर शौच के लिए गई थी। इसी दौरान गांव का ही एक युवक वहां पहुंचा और नाबालिग के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। पीड़िता ने विरोध करते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आसपास के

लोग आने लगे तो आरोपी नाबालिग को छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिजन नाबालिग को लेकर सीधे थाना रहरा पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए तहरीर सौंपी। तहरीर में गांव के युवक को नामजद करते हुए उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

इस संबंध में थाना प्रभारी रहरा ने बताया कि जब पीड़ित पक्ष थाने आया उस समय वह क्षेत्र में चेकिंग के लिए निकले थे। अभी जानकारी प्राप्त हुई है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी ने उद्यमियों एवं ट्रांसपोर्टर्स के साथ की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जनपद में कांवड़ यात्रा के दौरान जनसुविधाओं, यातायात व्यवस्था तथा विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन एवं बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के उद्यमियों एवं ट्रांसपोर्टर्स के साथ बैठक कर आवश्यक विचार-विमर्श किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन एवं जनसुविधाओं को बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उद्यमियों एवं ट्रांसपोर्टर्स से कांवड़ यात्रा अर्वाधि में जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। बैठक में कांवड़ यात्रा के



दौरान लागू की जाने वाली रूट डायवर्जन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई। संबंधित अधिकारियों द्वारा विभिन्न मार्गों पर भारी एवं व्यावसायिक वाहनों के आवागमन हेतु निर्धारित वैकल्पिक मार्गों, डायवर्जन की समयावधि तथा यातायात संचालन की व्यवस्था से उद्यमियों एवं ट्रांसपोर्टर्स को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने उनसे आग्रह किया कि वे निर्धारित रूट

डायवर्जन व्यवस्था का पूर्ण पालन करते हुए अपने परिवहन संचालन की पूर्व योजना बना लें, ताकि कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। बैठक में ट्रांसपोर्टर्स से भारी वाहनों के संचालन, वैकल्पिक मार्गों के उपयोग तथा निर्धारित समयावधि के अनुसार परिवहन व्यवस्था संचालित करने का भी आग्रह किया गया। साथ ही

औद्योगिक इकाइयों से आवश्यकतानुसार अपने परिवहन कार्यक्रमों में समन्वय स्थापित करने एवं जिला प्रशासन के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने को कहा गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में उपस्थित उद्यमियों एवं ट्रांसपोर्टर्स ने जिला प्रशासन को आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, एआरटीओ, उद्योग विभाग के अधिकारी, प्रभारी यातायात राजेंद्र कुमार सहित जनपद के उद्यमी एवं ट्रांसपोर्टर्स उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड आधारित विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में फैमिली आईडी, पीएम सूर्य पर योजना सहित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न विभागों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी की विभागावार प्रगति का अवलोकन करते हुए जिन विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, उन्हें आगामी तीन दिवस के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार की फैमिली आईडी तैयार कर शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। पीएम



सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अपेक्षित प्रगति न होने पर असाध्य व्यक्त किया तथा संबंधित अधिकारियों को विभागीय समन्वय के साथ अभियान चलाकर अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी है, इसलिए प्रत्येक पात्र परिवार तक इसकी जानकारी पहुंचाकर अधिकाधिक लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जाए। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर बी, सी एवं डी ग्रेड प्राप्त विभागों की विशेष समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे खराब रैंकिंग के कारणों का गंभीरता से विश्लेषण कर तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय प्रदर्शन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आगामी समीक्षा से पूर्व प्रत्येक विभाग अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित होने वाले समस्त आंकड़े समयबद्ध, सत्य एवं त्रुटिरहित रूप से अपडेट किए जाएं। उन्होंने कहा कि शासन स्तर

पर जनपद के कार्यों का मूल्यांकन मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के आधार पर किया जाता है, इसलिए सभी विभाग पूर्ण उत्तरदायित्व एवं गंभीरता के साथ कार्य करें। विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी विभागों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें, जिससे जनपद की रैंकिंग एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक डीआरडीए अम्बरीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रावण मास कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत 28 जुलाई की रात 12 बजे से भारी-हल्के वाहन प्रतिबंधित

बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हरिद्वार जाने वाले वाहन NH-9 हापड़ से डायवर्ट

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत 28 जुलाई 2026 रात्रि 12.00 बजे से जनपद बिजनौर होकर मुजफ्फरनगर, मेरठ व हरिद्वार की ओर जाने वाले भारी/हल्के व्यवसायिक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन द्वारा जारी डायवर्जन के अनुसार गजरोला से बछरायूं, धनौरा, चांदपुर, बिजनौर मार्ग पर भारी वाहन - ट्रक, डम्पर, केन्टर, ट्रैक्टर ट्राली आदि तथा हल्के माल वाहन - पिक-अप, छोटा हाथी इत्यादि का जाना प्रतिबंधित रहेगा।

बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ व हरिद्वार जाने वाले वाहन गजरोला चौपाल तथा भानपुर फाटक से डायवर्ट होकर NH-9 हापड़ होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। कुमराला चौकी गजरोला- धनौरा-चांदपुर झ बिजनौर मार्ग पर भी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। अमरोहा से नौगावां सादात से शिवालाकलं, बिजनौर मार्ग पर भारी/हल्के माल वाहन का जाना प्रतिबंधित रहेगा। बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ व हरिद्वार जाने वाले वाहन अमरोहा बाईपास - रज्जका बाईपास से

डायवर्ट होकर नीम का अड्डा, पंजू सराय तिराहे से डायवर्ट होकर रेलवे फाटक गुडलिया होते हुए RTO अतरासी से अतरासी चौकी NH-9 हापड़ होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। अमरोहा से नौगावा शिवाला कला बिजनौर मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। मुरादाबाद की ओर से आने वाले भारी व्यवसायिक वाहन उमरी तिराहे मुरादाबाद से थाना कोतवाली देहात के बार्डर कोठी खिदमतपुर से जनपद अमरोहा में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इस दौरान आपातकालीन ब्रूट रात्रि 12.00 बजे से प्रातः 04.00 बजे तक आकस्मिक सेवाओं के लिए अनुमतिशुदा वाहन जनपद बिजनौर के लिए गजरोला से खादगुजर मार्ग से मलेशिया चौकी होते हुए चांदपुर-फकीना मार्ग के रास्ते जनपद बिजनौर में आवागमन करेंगे। प्रशासन ने सभी वाहन चालकों एवं परिवहन व्यवसायियों से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन का पालन करें और कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण बनाने में सहयोग करें।

आधी रात ढहा जर्जर मकान का लिंटर, युवक गंभीर घायल

बिजनौर/स्योहारा (सब का सपना):— जनपद के स्योहारा नगर के वार्ड संख्या-25 में शुक्रवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। जर्जर मकान का लिंटर अचानक भरभराकर गिरने से उसके नीचे सो रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया पीड़ित नंदराम सैनी ने आरोप लगाया कि उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो-तीन बार आवेदन किया था, लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने हर बार उन्हें अपात्र घोषित कर दिया। उनका कहना है कि यदि समय रहते उन्हें योजना का लाभ मिल जाता तो यह हादसा टल सकता था। नंदराम सैनी ने आरोप लगाया कि उनके जैसे वास्तविक जरूरतमंदों को योजना से



वंचित रखा गया, जबकि उनके वार्ड में पक्के एवं दो मंजिला मकानों में रहने वाले, एसी लगे घरों के मालिक, जोएसटी भरने वाले तथा नगर पालिका सीमा क्षेत्र से बाहर रहने वाले लोगों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया। उन्होंने इसकी निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग करते हुए नगर पालिका

कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। हादसे की सूचना मिलते ही नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) विजेंद्र सिंह पाल अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

इस संबंध में वार्ड-24 के सभासद विनोद तोमर एवं सतेंद्र सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित किए बिना ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकना संभव नहीं है। उन्होंने पात्रता की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ दिए जाने की मांग की घटना के बाद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के चयन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से जूझ रहे मरीज के लिए 'देवदूत' बने युवा, तुरंत अस्पताल पहुंच किया रक्तदान



बिजनौर (सब का सपना):— मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना" और "रक्तदान ही महादान है"इन कहावतों को धरातल पर सच कर दिखाया है क्षेत्र के समाजसेवी युवाओं ने। स्योहारा क्षेत्र में इंसानियत और भातुत्व की एक बेहद सुखद और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है, जहाँ अस्पताल में वेंटिलेटर पर जीवन और मौत के बीच झूल रहे एक गंभीर मरीज के लिए दो युवकों ने समय गंवाए बिना रक्तदान कर उसकी सांसों की डोर को टूटने से बचा लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम गेंडाजुड़ निवासी राजीव की तबीयत अत्यंत खराब होने पर उन्हें गंभीर हालत में वरिष्ठ

क्षेत्र में हो रही युवाओं की जमकर सराहना
अस्पताल परिसर में मौजूद मरीज के परिजनों ने नम आंखों से दोनों दानवीर युवाओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे युवाओं की वजह से ही आज समाज में इंसानियत जिंदा है। स्योहारा और आसपास के क्षेत्र में आकाश तोमर और शोभित पुष्पक के इस त्वरित और सराहनीय कदम की चोतरफा प्रशंसा हो रही है। "सच्चा मित्र और सच्चा इंसान वही है जो किसी की दलती सांसों को अपनी नसों के खून से नया जीवन दे दे। शोभित पुष्पक और आकाश तोमर का यह प्रयास हम सभी के लिए एक मिसाल है।

चिकित्सक डॉ. मनोज वर्मा के चिकित्सालय वर्मा मन्तर्निटी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। मरीज की हालत इतनी नाजुक थी कि उन्हें आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने बताया कि मरीज के शरीर में रक्त का स्तर बेहद कम हो



के मोहल्ला मालियान निवासी शोभित पुष्पक को हुई, उन्होंने एक पल की भी देरी नहीं की। दोनों युवाओं ने अपनी सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी को समझते हुए तुरंत अस्पताल पहुंचने का फैसला किया। अस्पताल पहुंचकर धर्मनन्दा चैरिटेबल ब्लड सेंटर जाकर दोनों युवाओं ने बिना कोई झिझक तुरंत अपना रक्तदान किया। सही समय पर रक्त उपलब्ध हो जाने से चिकित्सकों को मरीज का इलाज आगे बढ़ाने में बड़ी मदद मिली, जिससे वेंटिलेटर पर जिंदगी की जंग लड़ रहे राजीव की हालत में सुधार की उम्मीद जगी है।

किसान-मजदूर चौपाल में ग्रामीणों से रूबरू हुए वरिष्ठ भाजपा नेता प्रिंस चौधरी

बिजनौर (सब का सपना):— बिजनौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मिनापुर बागर एवं कुंदनपुर में वरिष्ठ भाजपा नेता प्रिंस चौधरी ने किसान-मजदूर चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लोगों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। दोनों गांवों में आयोजित चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित लगभग 600 से 700 लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। प्रिंस चौधरी ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए उनकी



समस्याएं, सुझाव और स्थानीय मुद्दों को सुना कार्यक्रम के दौरान करीब 250 से 300 महिलाओं को साड़ी एवं सूट वितरित किए गए। वस्त्र प्राप्ति कर महिलाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल की सराहना की।चौपाल को संबोधित करते हुए प्रिंस चौधरी ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराईयों से दूर रहकर खेलकूद, शिक्षा और सकारात्मक

उच्चल्ला योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (राशन) योजना, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय योजना तथा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं सहित अन्य सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से भी उन्हें अवगत करायी।

प्रिंस चौधरी ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों में उसाहा का माहौल रहा। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा जनसंपर्क अभियान की सराहना करते हुए क्षेत्र के विकास संबंधी अपने सुझाव भी साझा किए।

भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम को सौंपा झापन

बिजनौर (सब का सपना):— भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के पदाधिकारियों ने किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर जिला प्रशासन को झापन सौंपा। झापन में किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी गई कि यदि समय रहते मांगें पूरी नहीं की गईं तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। झापन में प्रमुख मांगों में किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान, एमएसपी (MSP) गारंटी कानून लागू करना, गन्ना किसानों का



बकाया भुगतान शीघ्र करने, गन्ने का मूल्य इ600 प्रति क्विंटल घोषित करने, किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज उपलब्ध कराने तथा कृषि

संबंधी अन्य समस्याओं के समाधान की मांग शामिल है। इसके अलावा संगठन ने जिले में संचालित निजी अस्पतालों की जांच कर नियमों के

विरुद्ध संचालित अस्पतालों को बंद कराने, जलीलपुर क्षेत्र में किसानों से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा अन्य स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान की भी मांग की है। भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह चाहल ने कहा कि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। झापन पर संगठन के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं।

बिजनौर में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई इलाकों में जलभराव

बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। धामपुर, नजीबाबाद, लगोना, चांदपुर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश के कारण सड़कों

पर जलभराव की स्थिति बन गई है। कई निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की

संभावना जताई है। बारिश के चलते किसानों के चेहरों पर खुशी है, क्योंकि धान, गन्ना और अन्य खरीफ फसलों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर, लगातार बारिश से कच्चे मकानों और जलभराव वाले क्षेत्रों

में रहने वाले लोगों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की अपील की गई है।

रूट्स इंटरनेशनल स्कूल, नूरपुर के विद्यार्थियों ने शूटिंग चैंपियनशिप में लहराया परचम, तीन छात्रों का प्री-नेशनल के लिए चयन



बिजनौर (सब का सपना):— रूट्स इंटरनेशनल स्कूल, नूरपुर ने शूटिंग खेल के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए अपने गौरव में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। विद्यालय के पाँच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने 4 जून से 8 जून 2026 तक नोएडा में आयोजित प्रो उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में शिवांश चौधरी, अनिरुद्ध सिंह, मानिक्य त्यागी, कोस्तुभ चौधरी एवं अंश त्यागी शामिल थे। इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए प्रतियोगिता के अगले चरण के लिए सफलतापूर्वक क्वालिफाई किया।



इसके उपरांत इन विद्यार्थियों ने 21 जून 2026 को दिल्ली में आयोजित 10 मीटर एयर राइफल चैंपियनशिप में भाग लिया। विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली निशानेबाजों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट क्षमता का प्रदर्शन किया। विद्यालय के लिए यह

सफलता पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक शांतनु गुप्ता एवं प्रधानाचार्य अमित चौधरी ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि विद्यालय भविष्य में भी उनके खेल एवं प्रतिभा के विकास के लिए हर संभव सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि रूट्स इंटरनेशनल स्कूल, नूरपुर विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रेरित एवं प्रोत्साहित करता है, जिससे वे राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें।



अत्यंत गर्व का विषय है कि अनिरुद्ध सिंह, शिवांश चौधरी एवं मानिक्य त्यागी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया। इस उपलब्धि से रूट्स इंटरनेशनल स्कूल, नूरपुर एवं पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित हुआ है। इस उल्लेखनीय

शेयर मार्केट 'बोट ब्रो' कंपनी के नाम पर निवेश का झांसा देकर 25 करोड़ की ठगी

बिजनौर (सब का सपना):— बिजनौर में शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि फर्जी कंपनी बनाकर करीब तीन हजार लोगों से लगभग 25 करोड़ रुपए का निवेश कराया गया। बाद में कंपनी बंद हो गई और संचालक के दुबई भाग जाने का आरोप है। एक पीड़ित की तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला काजीपाड़ा निवासी ताज नबी की शिकायत पर पुलिस ने देहरादून निवासी नवीन नेगी, गढ़वाल निवासी राजेश वशिष्ठ, बिजनौर की बंगाली



कॉलोनी निवासी पूजा विश्वास, सिविल लाइंस निवासी मोहित कुमार और गांव आदमपुर निवासी मुकेश कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है। तहरीर के अनुसार, करीब तीन वर्ष पहले आरोपियों ने लोगों से संपर्क कर खुद को शेयर मार्केट में

निवेश कराने वाली 'बोट ब्रो' कंपनी का टीम लीडर बताया। आरोप है कि उन्होंने बिजनौर के करीब तीन हजार लोगों से लगभग 25 करोड़ रुपए कंपनी से जुड़े बैंक खातों में जमा करा दिए। पीड़ितों का आरोप है कि शुरूआत में कंपनी एक लाख रुपये

के निवेश पर हर महीने 7 हजार रुपए का रिटर्न देती थी। इसके अलावा नए निवेशक जोड़ने पर कमीशन का भी लालच दिया जाता था। इसी भरोसे और अधिक मुनाफे के लालच में बड़ी संख्या में लोगों ने निवेश किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब निवेशकों ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। बताया गया है कि कंपनी का संचालन मुजफ्फरनगर निवासी लवीश चौधरी कर रहा था। करीब डेढ़ साल पहले कंपनी अचानक बंद हो गई और लवीश के दुबई भाग जाने का आरोप है।

गुरु नानक गारमेंट्स शोरूम की ऊपरी मंजिल में लगी आग, दीवार तोड़कर पाया काबू

बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के धामपुर नगर के मुख्य बाजार स्थित खारी कुआँ के निकट गुरु नानक गारमेंट्स शोरूम की ऊपरी मंजिल में रविवार देर रात करीब 10 बजे अचानक आग लग गई। ऊपरी मंजिल से धुआँ और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को अवगत करारक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कराई, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए



कड़ी मशक्कत की। आग तेजी से फैलने के कारण शोरूम की ऊपरी मंजिल तक पहुंचना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में दमकल टीम को एक कमरे की दीवार तोड़नी पड़ी, जिसके आकलन नहीं किया जा सका है। नियंत्रण पाया जा सका। शोरूम

संचालक गुरप्रीत सिंह ने बताया कि वह रात करीब साढ़े नौ बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। कुछ देर बाद उन्हें शोरूम की ऊपरी मंजिल से धुआँ निकलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर देखा कि ऊपरी मंजिल में आग लगी हुई थी। उन्होंने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। उन्होंने बताया कि समाचार लिखे जाने तक आग पूरी तरह शांत नहीं हुई थी, इसलिए नुकसान का सही आकलन नहीं किया जा सका है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग

शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो सकती है, हालाँकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। सूचना पर कोतवाली रविंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित कराया। उनका कहना है कि आग लगने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए थे। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने समन्वय के साथ राहत कार्य चलाया। संयोग रहा कि घटना के समय अधिकांश बाजार बंद हो चुका था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

आवारा सांड की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के लक्ष्मपुर गांव के पास रविवार शाम आवारा सांड की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव सेदमा निवासी 32 वर्षीय धर्मेन्द्र पुत्र बुद्धसेन अपने साथी नीरज चौधेरा के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर आए आवारा सांड ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सांड का सींग धर्मेन्द्र के पेट में लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नीरज को मामूली चोटें आईं। धर्मेन्द्र जैसीबी चालक था और परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

एसपी ग्रामीण ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा



अनूपशहर/बुलंदशहर (सब का सपना):- आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन ने अनूपशहर क्षेत्र के मलकपुर घाट एवं अस्थायी कांवड़ चौकियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, बैरिकेडिंग, यातायात, सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था व श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लेते हुए पुलिस कर्मियों को सतर्कता, अनुशासन और श्रद्धालुओं के साथ शालीन व्यवहार रखने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी अनूपशहर भरत कुमार सोनकर सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नेशनल सोशल क्लब ट्रस्ट का तीसरा स्वास्थ्य शिविर 9 अगस्त को, बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नेशनल सोशल क्लब ट्रस्ट की एक बैठक नगर के कॉलेज रोड स्थित नई बस्ती कैप कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में ट्रस्ट द्वारा अब तक किए गए सामाजिक कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक का संचालन सचिन अग्रवाल ने किया, जबकि अध्यक्षता एडवोकेट धर्मेन्द्र पाल सिंह राघव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से वसंत कनोडिया को वर्ष 2026 के लिए ट्रस्ट का सचिव मनोनीत किया गया। इसके अलावा आगामी दिनों में विभिन्न शोभायात्राओं पर पुष्प वर्षा एवं जल वितरण, 15 अगस्त को ध्वजारोहण कार्यक्रम तथा श्री मारलाला कैप में सेवा एवं सहायता शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के तीसरे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन पर भी सहमति बनी। यह शिविर 9 अगस्त (रविवार) को कुमार क्लीनिक, एस.आर. फार्म हाउस के सामने, डाक्टर मोड़, खुर्जा में आयोजित किया जाएगा। शिविर में निःशुल्क ईसीजी, ब्लड शुगर जांच, फिजिशियन परामर्श, शुगर जांच, ब्लड प्रेशर जांच, दांतों की जांच तथा हड्डी रोग विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण सहित अन्य चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में पीपूष अग्रवाल (कबाड़ी), भावुक बंसल, अंकुश गर्ग, वसंत कनोडिया, राहुल शर्मा, योगेश मोहन अग्रवाल, एडवोकेट धर्मेन्द्र पाल सिंह राघव, गौरव जिंदल तथा दीपक गर्ग (आइती) सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर कारगिल वीर शहीदों को याद किया गया

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर जंक्शन रोड स्थित पंचवटी कम्प्यूनिटी हॉल में विधानसभा 70 में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल में शहीद हुए वीरों के परिवार को कटिब पार्टी के प्रदेश सचिव गौरव जयराम प्रधान ने वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही कार्यक्रम में आए हुए पूर्व सैनिकों व अन्य गणमान्य व सभी आर्गंतुक लोगों को तिरंगा पटका पहना कर सैनिकों द्वारा कारगिल विजय दिवस की याद दलाई। गौरव जयराम प्रधान ने सभी का सम्मान और सत्कार किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संघ के जिला उपाध्यक्ष सूबेदार राजवीर सिंह जी खुर्जा तहसील लड़ाख विनोद राघव का भी स्वागत किया।

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण



बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अभिषेक सिंह, तहसीलदार तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं विश्वास बनाए रखना रहा।

अल्पसंख्यक सभा का धरना, जौहर विश्वविद्यालय के भवनों पर कार्रवाई रोकने की मांग



बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष ताहिर अली सैफी की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। जिला महासचिव हाजी खालिद सिद्दीकी के संचालन में कार्यक्रमताओं ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। जापान में रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाने तथा मामले का निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस दौरान समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री मत्तलूब अली और जिला महासचिव कृष्णपाल यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समरसता संकल्प अभियान से संतों के आदर्श घर-घर पहुंचेंगे : विकास चौहान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने की तथा संचालन जिला महामंत्री एवं अभियान संयोजक संतोष वाल्मीकि ने किया। कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, आगामी कार्यक्रमों एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की



गई। जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान सामाजिक समरसता, राष्ट्रहित और संतों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का जनाआंदोलन है। उन्होंने

को वाराणसी स्थित श्री गुरु रविदास जन्मस्थली से अभियान का शुभारंभ होगा। इसके बाद कलश यात्रा जनपद बुलंदशहर पहुंचेगी तथा समरसता दीप, कलश वंदन, संत संपर्क, समरसता यात्रा और छात्रावास संपर्क जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला में विधायक देवेंद्र सिंह लोधी, सी.पी. सिंह लोधी, लक्ष्मीराज सिंह, पूर्व विधायक मुंशीलाल गौतम, नगर पालिका अध्यक्ष दीपति मिश्रा सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीबीएसई एथलेटिक्स क्लस्टर-19 में जेपी विद्या मंदिर की छात्राओं ने जीते दो रजत पदक

अनूपशहर/ बुलंदशहर (सब का सपना) जेपी विद्या मंदिर मुख्य परिसर की छात्राओं ने मेरठ के रूद्रा इंटरनेशनल स्कूल, मवाना खुर्द में आयोजित सीबीएसई एथलेटिक्स क्लस्टर-19 चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर-14 वर्ग में अंशिका राणा तथा अंडर-17 वर्ग में हुविशिका ने डिस्कस थ्रो स्पर्धा में रजत पदक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के कोच विवेक वर्मा ने बताया कि दोनों छात्राएं अक्टूबर में पटनाया में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग

करेंगी। प्रधानाचार्या नीना चतुर्वेदी एवं प्रबंधक प्रखर गर्ग ने छात्राओं और

कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुबारिकपुर में तीन दिन बाद भी नहीं की गई विद्युत आपूर्ति, ग्रामीण परेशान

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- मुबारिकपुर में पिछले तीन दिनों से विद्युत आपूर्ति ठप्प है, जिससे ग्रामीणों में विद्युत विभाग के अधिकारियों के खिलाफ रोष है। पशुओं को पानी पीने, चारा काटने आटा पीसने, यहां तक कि घरों में पीने का पानी भी नहीं है। शनिवार को पानी निकासी का कुलाबा टूटने से सड़क धस जाने के कारण बजरी भरा ट्रक पलट गया था, जिसके कारण पास में लगे दो ट्रांसफार्मर व पांच पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे, जो अभी तक नहीं लगाये गये हैं। पुलिस के अनुसार ट्रक चालक व ट्रक को

हिरासत में ले लिया गया है लेकिन शिकायत के बाद भी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। एसडीओ दयाशंकर

ने बताया कि जेई को निर्देशित कर दिया गया है कि विद्युत आपूर्ति शीघ्र चालू कर दी जाये।

यातयात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस का शिकंजा, कई वाहन सीज,मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त



सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह के पर्यवेक्षण में सोमवार को जनपद सम्भल में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की। प्रभारी यातायात जगदीश सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान बिना फिटनेस के वाहन संचालन, बुलेट



हूए उनके हॉर्न उतरवाकर जब्त किए गए। टीएसआई प्रमोद मान ने बिना फिटनेस के संचालित हो रही एक एंबुलेंस को सीज कराया, जबकि टीएसआई अशोक कुमार ने नियमों का उल्लंघन करने पर एक इनोवा कार के विरुद्ध सीज की कार्रवाई की। वहीं मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने चार बुलेट मोटरसाइकिलों पर लगे मॉडिफाइड साइलेंसर हटवाकर

जब्त किए और संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की। यातायात पुलिस ने अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहनों के विरुद्ध भी चालान एवं अन्य विधिक कार्रवाई की। प्रभारी यातायात जगदीश सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

डिडौली क्षेत्र में सड़क पार कर रहे बुजुर्ग बाइक सवारों ने मारी टक्कर, जिला अस्पताल में भर्ती

डिडौली/अमरौहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में हाईवे पर सर्विस रोड पार कर रहे एक बुजुर्ग को दो बाइकों ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया साथ ही दोनों बाइक सवार भी नीचे गिरकर घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को जोजा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर बुजुर्ग की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल दिया गया।बता दें कि यह हादसा सोमवार की दोपहर डिडौली थाना क्षेत्र के हरियाणा गांव के निकट हुआ जहां हरियाणा गांव निवासी महफूज (पुत्र बल्लू शाह) सर्विस रोड पार कर रहे थे तभी मुरादाबाद से जोजा जाने वाले मार्ग पर विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे दो



बाइक सवारों, कासिम (पुत्र शौकत अली) और शाकिब (पुत्र रहीश अहमद), निवासी मोहल्ला चकली, थाना अमरौहा नगर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक भी गिर गई।सूचना मिलने पर डिडौली पुलिस मौके

पर पहुंची। पुलिस ने तीनों घायलों को जोजा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां बुजुर्ग महफूज की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। डिडौली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया

कि इस दुर्घटना में तीनों लोग घायल हुए हैं और उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन तहरीर मिलने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

नर-नारायण सेवा संस्थान का छठा स्थापना दिवस मनाया

जहागीराबाद/बुलंदशहर(सब का सपना):- नर-नारायण सेवा संस्थान के छठे स्थापना दिवस पर रविवार को आरसी फार्म हाउस में भव्य मिलन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. गोयल ने संस्था के जनसेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। वरिष्ठ



चिकित्सक डॉ. मुकेश अग्रवाल एवं डॉ. वीरेंद्र अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में समाजसेवी हेमंत बंसल ने अपनी स्वर्गीय माताजी की स्मृति में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की दो बालिकाओं की निःशुल्क शिक्षा का संपूर्ण दायित्व उठाने की घोषणा की। पालिकाध्यक्ष ब्रजेश गोयल एवं किशनपाल सिंह लोधी ने संस्था की अंतिम यात्रा बस, एम्बुलेंस व अन्य सेवा कार्यों की प्रशंसा की। संस्था के सचिव राजीव अग्रवाल ने वार्षिक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत कर सभी का आभार व्यक्त किया।

रंजना सिंह ने विद्यार्थियों को बांटे स्कूल बैग व शिक्षण सामग्री



का सम्मान करने का आह्वान किया। के लिए रंजना सिंह का आभार व्यक्त विद्यालय परिवार ने इस सेवा कार्य

न्यायालय के आदेश पर तहसील प्रशासन ने इंश्योरेंस कम्पनी से 59 लाख रुपये की वसूली की



नहीं किया जिस पर तहसील प्रशासन बिजनौर को आरसी जारी करते हुए भुगतान वसूलने के लिए आदेश दिए थे। तहसील प्रशासन ने उक्त वसूली करने के लिए इंश्योरेंस कंपनी का एक्सिस बैंक में खाता सीज कर

दिया था। जिसके बाद आज तहसीलदार आशीष सक्सेना तथा सग्रह अमीन सूरजमल की टीम ने कार्रवाई करते हुए ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से उक्त धनराशि वसूल की।

नक्शा-35 उपलब्ध कराने की मांग को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन चकबंदी अधिकारियों पर लगाए नियम उल्लंघन के आरोप



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सोमवार को एक सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय, बहजोई पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्राम सैदपुर जसकोली की चकबंदी प्रक्रिया में किसानों को नक्शा-35 उपलब्ध न कराए जाने का आरोप लगाते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम सैदपुर जसकोली, तहसील सम्भल में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान चकबंदी लेखपाल एवं संबंधित अधिकारियों ने किसानों को नक्शा-35 उपलब्ध नहीं कराया, जो चकबंदी नियमों का उल्लंघन है। संस्था का कहना है कि नक्शा-35 में गाटों की लंबाई और चौड़ाई मीटर में अंकित होती है, जिससे किसान अपने खेत का स्वयं सत्यापन कर सकता है। संस्था के अनुसार, नक्शा-35 उपलब्ध न होने की स्थिति में यदि कोई किसान भूमि विवाद को लेकर धारा-24 या धारा-30 के तहत वाद दायर करता है, तो वर्षों तक मुकदमा चलने के बावजूद उसे न्याय मिलने में कठिनाई होती है। इसका मुख्य कारण किसानों को आवश्यक अभिलेख उपलब्ध न कराया जाना है। संस्था ने मांग की कि ग्राम सैदपुर जसकोली सहित जनपद के उन सभी गांवों के किसानों को नक्शा-35 उपलब्ध कराया जाए, जहां चकबंदी पूरी हो चुकी है लेकिन यह दस्तावेज किसानों को नहीं दिया गया। साथ ही चकबंदी लेखपाल प्रकाश गौतम एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में महंत भगवानदास शर्मा, चंद्रप्रकाश, एडवोकेट ओमप्रकाश, रविंद्र शर्मा, जोगिंदर, अरुण कुमार, राजीव शर्मा, संजीव सहारा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश, उमस से मिली लोगों को बड़ी राहत



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सोमवार को बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को लंबे समय से चली आ रही उमस और गर्मी से काफी राहत मिली है। आसमान में छाप बादलों और बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। नोएडा के सेक्टर 63 सहित आसपास के इलाकों में अच्छी बारिश हो रही है। इससे सड़क पर पानी जमा होने के साथ ही मौसम सुहावना हो गया है। इस दौरान जलभराव भी देखने को मिल रहा है। कई जगहों पर हल्की जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। मौसम विभाग का अलर्ट मौसम विभाग ने पहले ही बारिश का अलर्ट जारी किया था। विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।



क्रिएटिव डिफरेंस के बाद आमिर ने छोड़ी अशनीर ग़ोवर की बायोपिक

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अशनीर ग़ोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अशनीर ग़ोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अशनीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं। आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अशनीर ग़ोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा



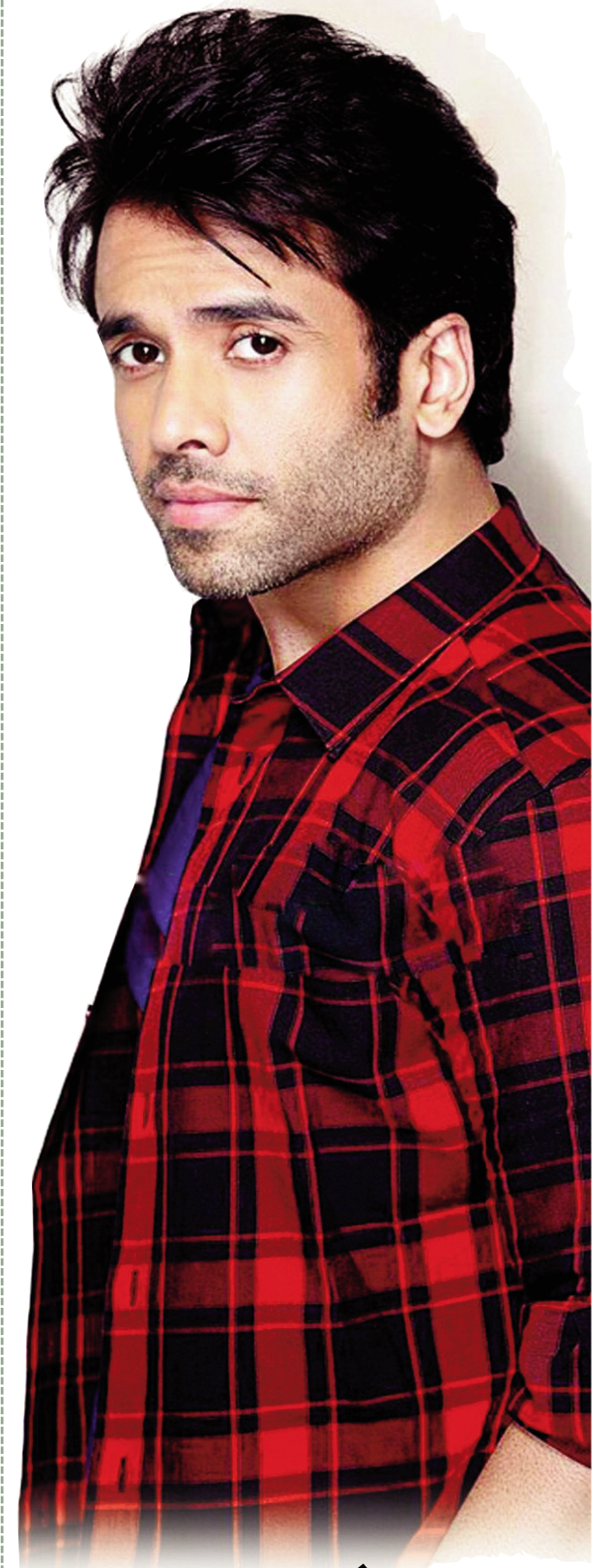
इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अशनीर ग़ोवर की पत्नी माधुरी जैन ग़ोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।



‘इश्कनामा’ के ‘नरक’ को शहनाज़ ग़िल ने दी अपनी आवाज़

इश्कनामा की रिलीज से पहले शहनाज़ ग़िल ने फेंस को एक खूबसूरत सरप्राइज दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक ‘नरक’ को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्जन इस गाने में इमोशनस की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज किए गए ‘नरक’ ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ ग़िल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज में गाया है, जिसमें नसीमा के जज्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्जन को लेकर शहनाज़ ग़िल ने

कहा, ‘‘नरक’’ ‘इश्कनामा’ के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्जन रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूढ़ के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूँ कि लोग मेरे इस वर्जन से भी जुड़ेंगे।’ शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब ‘नरक’ के इस कवर के साथ उन्होंने इश्कनामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज में महसूस करने का मौका देता है। निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्कनामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ ग़िल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंद एस. खेरा ने किया है। ‘नरक’ के अपने कवर वर्जन के साथ शहनाज़ ग़िल ने फेंस को इश्कनामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।



अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज ‘मुसाफिर कैफे’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। खास बातचीत में महिमा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे। अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।’ महिमा ने कहा, ‘मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और

शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।’ काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ‘अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहाँ हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।’ उन्होंने कहा, ‘किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नज़रिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।’ वर्क फ्रंट की बात कर तो महिमा मकवाना जल्द ही ‘मुसाफिर कैफे’ में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रान्त मेसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।



कॉमेडी-थ्रिलर ‘एमआरपी’ से किया डोनल बिष्ट ने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म ‘एमआरपी’ से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेरार करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली



बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, ‘एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शाददार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।’ डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूँ कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया।

तुषार कपूर ने प्रकाश झा की ‘जनादेश’ को बताया समाज का आईना

तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म ‘जनादेश’ को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म ‘जनादेश’ के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, ‘फिल्म ‘जनादेश’ देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।’ तुषार ने आगे कहा, ‘हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।’ फिल्म ‘जनादेश’ के निर्देशक प्रकाश झा हैं, जो इससे पहले ‘राजनीति’,

‘आरक्षण’, ‘सत्याग्रह’ जैसी बेहतरीन फिल्मों और ‘आश्रम’ जैसी सुपरहिट वेब सीरीज बना चुके हैं। ‘जनादेश’ में तुषार कपूर के साथ इस फिल्म में शेखर सुमन, राहुल बोस, प्रगति श्रीवास्तव और इश्वक सिंह जैसे मझे हुए कलाकार दिखाई देंगे।

‘गोलमाल 5’ में भी दिखेंगे तुषार

‘जनादेश’ के अलावा तुषार कपूर जल्द ही रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म ‘गोलमाल 5’ में भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल मार्च में शुरू हो चुकी है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी, श्रेयस, कुणाल खेमू और शरमन जोशी जैसे कई बड़े सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं।

ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है



अनूप कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिप्लेटी शो ‘अंताक्षरी’ में होस्ट रहे हों या ‘विकी डोनर’ और ‘ड्रीम गर्ल’ में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिलिमी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अनूप कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे मायघर में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई ‘विकी डोनर’ में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अनूप मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, ‘नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रेजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टरों ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका

नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टरों में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।’ करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अनूप ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रॉटियां खा गए थे। बकौल अनूप, ‘अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेपयुजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेपयुजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रॉटियां खा गया था। उस दिन 23 रॉटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नल्लू स्वीट्स से छेले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथी की तरह चलता हुआ पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।’ अनूप जल्द अपनी नई फिल्म ‘उरद दा पुत्र’ में

नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, ‘इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता

चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी है कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छे कॉन्टेंट लेकर आएंगे।’

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अनूप से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, ‘मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असंलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगों का सहारा लेकर क्यों आऊँ। इतना कमजोर क्यों बनूँ? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।’